(ख) क्या छोटे छोटे आयल मिलर्स और सालवेंट प्लांट वालों को मूंगफली की खली का कोटा आवंटित न किए जाने के कारण उन्हें नुकसान हुआ है और हो रहा है, यदि हां, तो यह कोटा कब और कितना एलाट किया जाएगा, और

(ग) जब मंत्रालय 4 लाख टन कोटा इन उद्योगों को रिलीज करने के लिए आदेश जारी कर चुका है तो राज्य व्यापार निगम द्वारा उपर्युक्त अवधि के लिए कोटा रिलीज करने में विलम्ब के क्या कारण है ?

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ बेग) : (क) मूंगफली विलायक निस्सारण के निर्यात के लिए 22-1-79 को 3, लाख मे० टन, 23-5-79 को 4·7 लाख मे० टन और 4-6-79 को 1 3 लाख मे० टन की 3 किस्तो में कुल 9 लाख मे० टन का कोटा दिया गया। कोई नियत अवधि तय नही की गई है और कोटा पूरे कलैन्डर वर्ष के लिए है।

(ख) ऐसे विलायक निस्सारण एकको द्वारा वहन की गई किन्ही हानियो के बारे में सरकार को जानकारी नही है जिन्होने मूंगफली निस्सारण के निर्यात कोटा दिए जाने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित पात्रता मानदंड पूरे किए हो। वास्तव मे, राज्य व्यापार निगम द्वारा 200 विनिर्माता एककों को अभी तक दिए गए 7 लाख मे० टन मूंगफली निस्सारण में से अभी तक केवल 1 2 लाख मे० टन की खेपें भेजी गई है।

(ग) सरकार द्वारा आवश्यक कोटा दिए जाने के बाद विनिर्माण एककों के पक्ष में निर्यात पात्रता प्रमाण पत्र जारी करने मे राज्य व्यापार निगम द्वारा किसी भी समय कोई देरी नही की गई।

ग्राउन्डनट सोलवेंट ऐक्सट्रेक्शन की आयल केक के निर्यात के सम्बन्ध में निर्यात नीति

848. **श्री धर्म सिंह भाई पटेल** : क्या वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) ग्राउन्डनट सोलवेंट ऐक्स्ट्रेक्शन डी आयल केक के निर्यात के बारे में स्पष्ट निर्यात नीति न होने के कारण छोटे तेल मिल मालिको और सोलवेंट प्लाट वालो को नुकसान हो रहा है, यदि हां, तो क्या सरकार का विचार नवम्बर-दिसम्बर में मूंगफली की पैदावार बाजार मे आने से पूर्व इस बारे में स्पष्ट नीति घोषित करने का है ;

(ख) वर्ष 1979 के दौरान कुल कितनी मात्रा में ग्राउन्डनट सोलवेंट ऐक्स्ट्रेक्शन डी आयल केक का निर्यात किया गया और उनमें से कितनी मात्रा पहले ही रिलीज की गई है और दिसम्बर 1979 तक कितनी मात्रा रिलीज की जाएगी ,

(ग) जनवरी से अप्रैल 1979 के दौरान राज्य व्यापार निगम और राष्ट्रीय कृषि सहकारिता विपणन संघ को कितना कोटा अलाट किया गया है और उन्होने 30 अप्रैल, 1979 तक उसमें से कितना निर्यात किया है, और

(घ) मई-अगस्त 1979 के लिए राज्य व्यापार निगम और राष्ट्रीय कृषि सहकारिता विपणन संघ को निर्यात हेतु कितना डी आयल्ड केक आवाटत किया गया है और सोलवेंट प्लांट को कितना कोटा अलाट किया गया है तथा कब अलाट किया गया है और यदि यह अलाट नही किया गया है तो कब किया जाएगा ?

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति तथा सहकारिता मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री आरिफ बेग) : (क) मूंगफली निस्सारण से संबंधित निर्यात नीति संबंधी मार्गदर्शी सिद्धान्तो को सरकार द्वारा पहले ही स्पष्ट कर दिया गया है जिसके आधार पर राज्य व्यापार निगम विनिर्माणकर्ता एककों का निर्यात कोटा आवंटित करता रहा है जिसमे वे सहकारी एकक भी शामिल है जो सरकार द्वारा निर्धारित पात्रता कसौटी का पूरा करते है।

(ख) 1979 के दौरान 9 लाख मे० टन मूंगफली विलायक निस्सारण तेल रहित खली निर्यात करने की प्रस्थापना है। 7 लाख मे० टन पहले ही रिलीज रिजर्व कर दिया गया है, शेष 2 लाख मे० टन प्रोत्साहन कोटा के रूप में दिसम्बर 1979 तक उन एककों को रिलीज कर दिया जाएगा जो अपने पिछले कोटे का प्रयोग करते है।

(ग) राज्य व्यापार निगम को सीधे निर्यात के लिए 40,000 मे० टन आवंटित किया गया था परन्तु राज्य व्यापार निगम द्वारा कोई निर्यात नही किया गया क्योंकि सप्लायरो के पूर्व निर्धारित अपने निजी कोटे को पूरा करने के फलस्वरूप सप्लाई कम हुई। नाफेड को राज्य व्यापार निगम द्वारा 30,000 मे० टन मूंगफली निस्सारण आवंटित किया गया जिसमें से 14,200 मे० टन का 30-4-79 तक निर्यात करने की पुष्टि की गई थी।

(घ) राज्य व्यापार निगम/नाफेड द्वारा निर्यात के लिए कोई विशिष्ट कोटा निर्धारित नही किया गया। विनिर्माणकर्ता एककों के लिए, जिसमें सरकारी समितियां भी शामिल हैं, पहले ही करीब 7 लाख मे० टन का एक कोटा आवंटित रिजर्व किया गया है तथा शेष 2 लाख मे० टन उन एककों को रिलीज किया जाएगा जो कुशलता के साथ अपने पिछले कोटे को पूरा करते हैं।